NEWS CLIPPING:19.10.2022

THE IMPRESSIVE TIMES

JC Bose University receives re-accreditation by NAAC with 'A+' Grade

Yuvraj Kumar
info@impressivetimes.com

FARIDABAD: JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad has been re-accredited by the National Assessment and Accreditation Council (NAAC) with 'A+' Grade and a CGPA of 3.32 in the Second Cycle of Accreditation. The result of the assessment was declared in the 127th Meeting of the Standing Committee of NAAC held on October 18, 2022, and shall remain valid for the next five years. National Assessment and Accreditation Council (NAAC) is an autonomous body funded by the University Grants Commission that assesses and accredits Higher Education Institutions in India. In 2016, the University was awarded an 'A' grade by the NAAC in the First Cycle of Accreditation. The University was assessed and evaluated by the five-member NAAC Peer Team from October 10 to 12, 2022. The Vice-Chancellor Prof. S.K. Tomar has expressed gratitude towards the Governor – Chancellor Shri Bandaru Dattatraya for his constant mentorship and support to the University due to which it has been able to receive the 'A+' grade. The University is committed to striving best to carry forward the dream of Chief Minister of Haryana Shri Manohar Lal for making the State of Haryana a global leader in Education, he added. Principal Secretary to Government of Haryana, Technical Education Department, Shri Vijayendra Kumar, and Director, Technical Education, Haryana, Shri Rajiv Rattan have congratulated the Vice-Chancellor Prof. Tomar on receiving 'A+' Grade by NAAC. Prof. Tomar extended gratitude towards both officers to extend their support to the University to achieve excellence. Congratulating University teachers, students, alumni, and supporting staff for this great achievement, Vice Chancellor Prof. S.K. Tomar said that JC Bose University has positioned itself among India's elite and prestigious higher education institutions. He said that the University has made its presence on various prominent national platforms which reflects the quality parameters adopted by the University to further improve the quality of Education. Registrar Dr. SK Garg said that the re-accreditation of the University by NAAC with 'A+' grade is a befitting award for the outstanding contribution of all stakeholders of the University. It is a distinguished achievement by the University on the quality parameters. Dean of Academic Affairs and University NAAC Coordinator Prof. Ashutosh Dixit said that all the faculty and staff members worked day and night for preparation and presentation. The highest body of evaluation for the Universities and Colleges in the country assessed the University on seven point-scale criteria which include Curriculum Aspects, Teaching-learning and Evaluation, Research, Innovation and Extension, Infrastructure and Learning Resources, Student Support and Progression, Governance, Leadership and Management, and Institutional Values and Best Practices.

REGISTRAR DR. SK GARG SAID THAT THE RE-ACCREDITATION OF THE UNIVERSITY BY NAAC WITH 'A+' GRADE IS A BEFITTING AWARD FOR THE OUTSTANDING CONTRIBUTION OF ALL STAKEHOLDERS OF THE UNIVERSITY.

NEWS CLIPPING:19.10.2022

AAJ SAMAJ

जे.सी. बोस विश्वविद्यालय को नैक द्वारा 'ए-प्लस' ग्रेड से पुनः मान्यता मिली

फरीदाबाद। राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (नैक) द्वारा जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद को मान्यता के दूसरे चक्र में 'ए-प्लस' ग्रेड और 3.32 के सीजीपीए के साथ पुनः मान्यता प्रदान की गई है। मूल्यांकन का परिणाम 18 अक्टूबर, 2022 को आयोजित नैक की स्थायी समिति की 127वीं बैठक में घोषित किया गया, और यह अगले पांच वर्षों के लिए वैध रहेगा। राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (नैक) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वित्त पोषित एक स्वायत्त निकाय है जो भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों का मूल्यांकन और मान्यता देता है। वर्ष 2016 में, विश्वविद्यालय को मान्यता के पहले चक्र में नैक द्वारा 'ए' ग्रेड मान्यता प्रदान की गई थी तथा दूसरे चक्र में विश्वविद्यालय ने गुणवत्ता मानदंडों में सुधार करते हुए 'ए-प्लस' ग्रेड हासिल किया है। हाल ही में 10 से 12 अक्टूबर, 2022 तक पांच सदस्यीय नैक पीयर टीम द्वारा विभिन्न मानदंडों पर विश्वविद्यालय का मूल्यांकन किया गया था। कुलपति प्रो. एसके तोमर ने राज्यपाल-कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय का विश्वविद्यालय को निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग देने के लिए आभार व्यक्त किया है जिसके कारण विश्वविद्यालय 'ए-प्लस' ग्रेड प्राप्त करने में सक्षम बना। उन्होंने कहा कि हरियाणा को शिक्षा के क्षेत्र में वैश्विक पटल पर लाने के हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल के सपने को साकार करने के लिए विश्वविद्यालय निरंतर प्रयासरत है और इसके लिए प्रतिबद्ध है। हरियाणा सरकार में तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव विजयेंद्र कुमार तथा हरियाणा तकनीकी शिक्षा विभाग के निदेशक श्री राजीव रतन ने कुलपति प्रो. तोमर को नैक द्वारा 'ए प्लस' ग्रेड प्राप्त करने पर बधाई दी है। प्रो. तोमर ने विश्वविद्यालय को उत्कृष्टता हासिल में सहयोग देने के लिए दोनों अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। विश्वविद्यालय की उपलब्धि पर शिक्षकों, कर्मचारियों, छात्रों तथा पूर्व छात्रों को बधाई देते हुए कुलपति प्रो. एसके तोमर ने कहा कि जेसी बोस विश्वविद्यालय ने खुद को देश के प्रतिष्ठित उच्च शिक्षा संस्थानों की पंक्ति में स्थापित किया है।

NEWS CLIPPING:19.10.2022

DIANIK JAGRAN

डा. सोनिया को अनुसंधान के लिए 32.80 लाख रुपये का अनुदान

बायोमेस ऐक्टिव कार्बन फार इलेक्ट्रोनिक्स मैटिरियल के विकास पर शोध कर रही हैं जेसी बोस यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : जेसी बोस यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर डा.सोनिया बंसल को उनके अनुसंधान के लिए 32.80 लाख रुपये की अनुदान राशि प्राप्त हुए हैं। उनका अनुसंधान बायोमेस ऐक्टिव कार्बन फार इलेक्ट्रोनिक्स मैटिरियल के विकास पर आधारित है और इस दो वर्ष में पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस अनुसंधान में अमन जोशी सह-अन्वेशक हैं। पिछले वर्ष भी यूनिवर्सिटी के चार प्रोफेसर को उनके अनुसंधान के प्रदेश सरकार की ओर अनुदान दिया गया था।

डा.सोनिया बंसल ● सौ.स्वयं

डा.सोनिया बंसल ने अनुसंधान के लिए मिली राशि पर खुशी जताते हुए कहा कि इससे उनका उत्साह बढ़ेगा। उन्होंने बताया कि देश में प्रतिदिन लाखों टन सब्जियों, दालों एवं सूखे मेवे के छिलकों के रूप में लाखों टन बायो वेस्ट निकलता है। इसे जलाकर कार्बन उत्सर्जन होगा, जिसे इलेक्ट्रोड परिवर्तित करके काइन बैट्री विकसित की।

अभी एक काइन बैटरी बनाई जा रही है। भविष्य में बड़ी बैटरी भी विकसित की जा सकेगी। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में बायो वेस्ट मटीरियल से प्राप्त होने वाली एनर्जी का प्रमुख स्त्रोत होगा। इसके लिए एक स्कालर रिसर्चर एवं एसोसिएट रिसर्चर की भी नियुक्ति की जाएगी। डा.सोनिया नैनो तकनीक पर आधारित अन्य कई प्रोजेक्ट पर कार्य कर रही हैं।

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING:19.10.2022

AAJ SAMAJ

जेसी बोस विश्वविद्यालय को नैक से फिर मिली ए-ग्रेड मान्यता

फरीदाबाद। राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (नैक) ने एक बार फिर जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (विवि) को दूसरी बार ए-प्लस ग्रेड के साथ मान्यता दी है। इस बार विवि ने 3.32 सीजीपीए हासिल किए हैं।

मंगलवार को परिणाम जारी किए गए। नैक की स्थायी समिति की 127 वीं बैठक में यह परिणाम जारी किए गए। यह परिणाम अगले पांच वर्षों के लिए वैध होंगे। राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (नैक) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वित्त पोषित एक स्वायत्त निकाय है। यह देश के उच्च शिक्षा संस्थानों का मूल्यांकन कर मान्यता प्रमाण जारी करता है। हाल ही में 10 से 12 अक्तूबर तक पांच सदस्यीय नैक पीयर टीम द्वारा विभिन्न मानदंडों पर विश्वविद्यालय का मूल्यांकन किया गया। कुलपति प्रो. एसके तोमर ने राज्यपाल-कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय का मार्गदर्शन और सहयोग करने के लिए आभार व्यक्त किया। संवाद

विश्वविद्यालय ने किया नैक के गुणवत्ता मानदंडों में सुधार

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING:19.10.2022

HINDUSTAN

जेसी बोस विश्वविद्यालय को फिर ए-प्लस ग्रेड

फरीदाबाद, संवाददाता। राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (नैक) द्वारा जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद को मान्यता के दूसरे चक्र में ए-प्लस ग्रेड और 3.32 के सीजीपीए के साथ पुनः मान्यता प्रदान की गई है।

मूल्यांकन का परिणाम 18 अक्टूबर, 2022 को आयोजित नैक की स्थायी समिति की 127वीं बैठक में घोषित किया गया, और यह अगले पांच वर्षों के लिए वैध रहेगा। राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (नैक) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वित्त पोषित एक स्वायत्त निकाय है, जो भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों का मूल्यांकन और मान्यता देता है। वर्ष 2016 में, विश्वविद्यालय को पहले चक्र में ए ग्रेड मान्यता मिली थी तथा दूसरे चक्र में विश्वविद्यालय ने ए-प्लस